पुरातत्ववेत्ताओं को मिस्र में एक मुस्कुराती हुई स्फिंक्स प्रतिमा मिली है। चूना पत्थर से बनी यह रोमनकालीन कलाकृति डैन्डेरा टैम्पल में हुई खुदाई के दौरान सामने आई। यह मंदिर कीना प्रांत में नील नदी के पास है। विशेषज्ञों को लगता है कि, यह अवश्य ही रोमन सम्राट क्लॉडियस की मूर्ति है। क्लॉडियस 41 से 54 ईस्वी तक रोम का राजा था। ज्ञातव्य है कि, रोमन साम्राज्य का 600 साल (30 ईसा पूर्व से 642 ईस्वी) तक मिस्र पर नियंत्रण था, हालांकि, क्लॉडियस सहित कई रोमन सम्राट कभी भी मिस्र नही गए थे। प्राचीन मिस्र में स्फिंक्स, राजशाही या सत्ता के प्रतीक माने जाते थे। हाल ही में खोजी गई स्फिंक्स की इस मूर्ति के नाक नक्श सम्राटों जैसे हैं और चेहरे पर मुस्कुराहट व गालों पर दो डिम्पल दिखाई दे रहे हैं। यह जानकारी एन शैम्स युनिवर्सिटी के पुराविद् और एक्सकवेशन मंत्री मैमदोह अल दमाति ने दी। उन्होंने मूर्ति के चेहरे पर लाल व पीले रंग के अवशेष भी देखे थे। मूर्ति के सिर पर नैमस भी है। प्राचीन मिस्र के फरो सिर पर धारीदार कपड़े की हैड ड्रैस (साफा) पहना करते थे जिसे नैमस कहते हैं। माथे के ऊपर हैड ड्रैस का सिरा कोबरा जैसा है। यह विशिष्टता यूरेनस के नाम से जानी जाती है। इस जगह शोधकर्ताओं को सबसे पहले एक मंदिर मिला, इसके अंदर लाल ईंटों से बना पानी स्टोर करने का बेसिन भी था। जब शोधकर्ताओं ने बेसिन की सफाई की तब उन्हें स्फिंक्स दिखाई दिया। स्फिंक्स के नीचे पत्थर की एक स्लैब मिली जिस पर कुछ लिखा हुआ है। हालांकि अभी इसका अनुवाद नहीं किया गया है। शोधकर्ताओं ने स्फिंक्स के चेहरे की तुलना रोमन राजाओं से की और उन्हें क्लॉडियस का चेहरा सबसे ज्यादा मेल खाता हुआ नज़र आया। तथापि, यहाँ मिला बेसिन बायज़ैन्टाइन काल का है, अर्थात् क्लॉडियस के समय से 500 साल बाद का। पुराविदों का कहना है, हो सकता है क्लॉडियस के सम्मान में स्फिंक्स बनाया गया होगा, वैसे इसमें हैरानी की भी कोई बात नहीं है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने जज और न्यायालय के खिलाफ जांच की मांग उठाई

कांग्रेस नेताओं का केंद्र सरकार और लोकसभा अध्यक्ष पर भी निशाना

जयपुर, 26 मार्च (का.प्र.)। राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता समाप्त किए जाने के विरोध में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की कड़ी में रविवार को सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने आठ घंटे का सत्याग्रह किया। जयपुर में कलेक्ट्रेट सर्किल पर आयोजित सत्याग्रह कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और निवर्तमान जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रताप सिंह खाचरियावास ने इस मौके पर फैसला लेने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की कड़ी निंदा की। उधर अलवर में तो पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह फैसला देने वाले जज और न्यायालय के खिलाफ भी जांच की मांग उठा दी।

अलवर में आयोजित सत्याग्रह के बाद मीडिया से बात करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने विपक्ष की भूमिका निभाई है, लेकिन केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी ने देश में हुए घोटालों को उजागर किया। अडानी और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच

- **राहुल गांधी की संसद से सदस्यता समाप्त करने के खिलाफ कांग्रेस का जिला मुख्यालय पर सत्याग्रह कार्यक्रम।**

रिश्तों पर सवाल किया, संसद में प्रधानमंत्री और अडानी की फोटो दिखाई गई। उन्होंने कहा कि आज से कई साल पहले कर्नाटक में राहुल गांधी ने एक सवाल पूछा था कि, देश में घोटाले करने वाले लोगों के नाम में मोदी क्यों है? इस मामले में गुजरात में केस हुआ और लगातार सुनवाई हुई। आरोप है कि जिन लोगों ने केस किया वो लोग आगे कार्रवाई नहीं चाहते थे, लेकिन हाल ही में संसद में राहुल गांधी की ओर से उठाए गए मुद्दों के बाद डेढ़ माह में ही न्यायालय ने बुलेट ट्रेन से भी तेज फैसला सुना दिया, जबकि न्यायालय में बहस होती है, पक्ष-विपक्ष होते हैं और गवाह पेश किए जाते हैं। तब फैसला सुनाया जाता है। इतनी जल्दी फैसला सुनाए जाने पर जज और न्यायालय की भी जांच होनी चाहिए।

जयपुर में कांग्रेस प्रदेशध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि अब चीजें उजागर होने लग गई हैं। पाप बहुत दिन तक छुपता नहीं है। पाप का घड़ा भर चुका है। अब बीजेपी सरकार के पाप का घड़ा जनता फोड़ेगी। इन्हें 2024 में सत्ता से जाना पड़ेगा। डोटासरा ने कहा कि राहुल गांधी के साथ जिस तरह का बर्ताव हो रहा है। केंद्र के काले कारनामे बताएंगे। अडाणी के 20 हजार करोड़ रुपए के घोटाले के बारे में बताएंगे। विदेशी शेल कंपनी में से कहां से पैसा आया। राहुल गांधी लगातार इस पर सवाल उठा रहे हैं कि पीएम मोदी और अडाणी के बीच इस पैसे का क्या संबंध है। इससे घबराकर उन्हें संसद से अयोग्य ही करवा दिया।

डोटासरा ने कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी एक बार ही भाषण देते, अब जितने भी कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, सब हर जगह इनके काले कारनामों के बारे में बताएंगे। बीजेपी ने हमें सुनहरा मौका दिया है। इनके भ्रष्टाचार और इनकी गलत नीतियों को उजागर करने का मौका मिला है। खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने केंद्र और बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा चोर को चोर कहकर राहुल गांधी ने क्या गलत कर दिया। राहुल गांधी ने किसी जाति को चोर नहीं कहा। राहुल गांधी ने देश को लूटने वालों को चोर कहा। क्या विजय माल्या, मेहुल चोकसी, ललित मोदी चोर नहीं हैं? पीएम मोदी घोषणा कर दें कि विजय माल्या, ललित मोदी चोर नहीं हैं।

सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने कहा कि सरकार ने जिस तरह राहुल गांधी के साथ कृत्य किया है, इसका खामियाजा बीजेपी को उठाना पड़ेगा। जनता इनको करारा जवाब देगी। इनको पहले भी पीछे हटना पड़ा था और अब भी पीछे हटाना पड़ेगा। राहुल गांधी देश में अकेला नहीं है, राहुल गांधी के पीछे कांग्रेसी ही नहीं पर विपक्ष उनके साथ खड़ा है। देश की जनता उनके साथ है। बीजेपी की तानाशाही ज्यादा नहीं चलेगी। इस मौके पर जलदाय मंत्री महेश जोशी, पीसीसी के पूर्व महासचिव वैभव गहलोत, विधायक इंद्राज गुर्जर, गोपाल मीणा, गंगा देवी सहित अन्य नेताओं ने भी अपनी बात रखीं।

कांग्रेस का सड़क पर उतरने का औचित्य समझ से परे : वासुदेव देवनानी

'सूरत की अदालत द्वारा राहुल गांधी को सजा सुनाए जाने के खिलाफ कांग्रेस उच्च अदालत में अपील करे'

जयपुर, 26 मार्च (का.सं.)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि कांग्रेस का लोकतंत्र और न्याय पालिका में कोई विश्वास नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सूरत की अदालत द्वारा सुनाई गई सजा के खिलाफ बड़ी अदालत में अपील करने की बजाय कांग्रेस सड़क पर उतर रही है, जिसका कोई औचित्य नहीं है।

देवनानी ने रविवार को जारी बयान में कहा, यह बात समझ में नहीं आती है कि कांग्रेस कार्यकर्ता किस मुद्दे को लेकर सत्याग्रह कर रहे हैं। कांग्रेस के पास सूरत की अदालत के फैसले पर अपील करने का रास्ता खुला है, तो फिर सत्याग्रह करना पूरी तरह बेमानी है। उन्होंने कहा कि सूरत की अदालत ने मानहानि के मामले में पूरी तरह सुनवाई करने के बाद फैसला सुनाया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोई भूमिका नहीं है, फिर भी कांग्रेस न्यायपालिका के फैसले का दोषारोपण मोदी पर कर रहे हैं, जो पूरी तरह समझ से परे है।

देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सूरत की अदालत के फैसले पर केवल राजनीतिक रोटियां सेक रही है। जहां

- **'जिस कानून के तहत राहुल की लोकसभा से सदस्यता खत्म की गई है, वह कांग्रेस के शासनकाल में ही बना था'**
- **वासुदेव देवनानी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी अदालत के फैसले का सम्मान नहीं कर देश में इमरजेंसी लगाई थी।**

तक राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता खत्म करने का सवाल है, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी कुछ नेताओं को अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद उनकी लोकसभा से सदस्यता खत्म की गई है।

उन्होंने कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद लोकसभा सदस्य की सदस्यता खत्म करने वाला कानून कांग्रेस के शासनकाल में ही बनाया गया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं को अदालत के फैसले का सम्मान करना चाहिए। यदि कांग्रेसियों को सड़क पर उतरना ही है, तो जनसमस्याओं को लेकर उतरे।

देवनानी ने कहा कि जिस अडाणी पर राजनीतिक निशाना साधा जा रहा है, उसी अडाणी ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हजारों करोड़ रूपए का निवेश किया है। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, लेकिन जब एक भी कांग्रेस नेता ने इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई।

देवनानी ने कहा कि कांग्रेस और उसके नेताओं ने कभी भी अदालत का सम्मान नहीं किया। यदि कोई अदालत कांग्रेस के हित में फैसला सुनाए, तो कांग्रेस नेता कहते हैं कि अदालत ने अच्छा काम किया। यदि कांग्रेस के खिलाफ फैसला सुनाए, तो कांग्रेस नेता संवैधानिक मर्यादा को ताक में रखकर अदालत के फैसले की आलोचना करने लग जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी अदालत सम्मान नहीं कर देश में इमरजेंसी लगाई और विरोधी दलों के नेताओं को चुन-चुन कर जेलों में बंद किया।

बी.डी.कल्ला ने ब्राह्मणों को 14 प्रतिशत आरक्षण की पुरजोर वकालत की

सागवाड़ा के विप्र महाकुंभ में भरी राजनीतिक प्रतिनिधत्व की हुंकार, कहा, ''ब्राह्मण अब अपमान सहन नहीं करेगा''

सागवाड़ा, 26 मार्च (का.प्र.)। विप्र फाउंडेशन के सप्तम विप्र महाकुंभ ने हुंकार भरी कि ब्राह्मणों का अपमान अब सहन नहीं होगा। संख्या बल के अनुपात में लोकसभा व विधानसभा में टिकट, राजनीतिक रूप से आरक्षित क्षेत्र में वंचित समाज को बोर्ड निगम में प्राथमिकता से मनोनयन तथा विधान परिषद के गठन का भी मुद्दा जोर शोर से उठा।

महाकुंभ में मुखर होकर कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ बोले। उन्होंने पार्टी लाइन से हटकर कई मुद्दे रखे। गौरव वल्लभ ने कहा कि उच्च सेवाओं में विप्र बच्चे टॉप लिस्ट में आए आज ऐसे प्रस्ताव की आवश्यकता हैं। उन्होंने ब्राह्मणों को लोकसभा और विधानसभा में प्रतिनिधत्व भी अनुपात के अनुसार देने की बात की तथा पुरजोर शब्दों में कहा कि अब ब्राह्मणों का अपमान नहीं सहेंगे।

इस विप्र महाकुंभ में शिक्षा मंत्री डॉक्टर बी.डी.कल्ला ने विप्र को सामाजिक प्रतीक बताया तथा उच्च सेवा में प्रतिशत बढ़ाने की वकालत करते हुए कहा कि कोचिंग की व्यवस्था हमें करनी होगी। उन्होंने केंद्र के समक्ष 14 प्रतिशत आरक्षण की मांग उठाई और कहा कि विप्र बैंक स्थापना भी होनी चाहिए ताकि हमारे बच्चों को रोजगार मिल सके।

हरियाणा से आये कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज ने शिक्षा मंत्री कल्ला के भाषण के बीच हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राजस्थान में गठित विप्र कल्याण बोर्ड को 100 करोड़ की राशि राज्य सरकार से दिलवाने की मांग रखी तथा कहा कि तभी इस बोर्ड की सार्थकता होगी।

महाकुंभ की खास बात यह रही कि जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत मालवीय, सांसद कनक मल कटारा आदि कई सर्व समाज के नेताओं ने भी मंच को सांझा किया। कटारा ने सागवाड़ा को जिला बनाने की मांग उठाई। उन्होंने बांसवाड़ा को रेल लाइन से जोड़ने की भी मांग की, जबकि जल संसाधन मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने वागड़ की धरती का स्वर्ग बताया तथा कहा कि हम सब मिलकर आगे बढ़ेंगे।

नव नियुक्त भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी महाकुंभ को ऑनलाइन एड्रेस करते हुए विप्र फाउंडेशन की प्रसंशा करते हुए कहा कि समाज के साथ राष्ट्र निर्माण में हम सब लगे। उन्होंने महाकुंभ में नहीं पहुंचने पर क्षमा याचना करते हुए मुझे वागड़ की धरती से विशेष लगाव है। महाकुंभ में विप्र समाज की उपस्थिति पर भी खुशी व्यक्त की।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा ने कहा कि आज हम किसी के हक को छीनने नहीं, बल्कि हमे मिले अधिकारों के आधार पर भावी पीढ़ी की खुशहाली पर विचार मंथन के लिए यहां जुटे हैं। अपने बच्चों के भविष्य की चिंता करना कोई बेमानी

- **पार्टी लाइन से हटकर बोले गौरव वल्लभ, आदिवासी नेताओं ने भी मंच सांझा किया।**
- **सागवाड़ा में विप्र महाकुंभ में 70 हजार से अधिक की भीड़ जुटी।**

नहीं हैं। इस विचार मंथन में सर्व समाज के प्रमुखजनों को भी हमने न्योता है जिससे हमारा समरसता, सर्वोदय का एजेंडा मजबूती से क्रियान्वयन की ओर अग्रसर रहे। कुछ अराजक तत्व गलत प्रचार कर आपसी भाईचारे को चोट पहुंचाने पर तुले हुए हैं। उसे हम सबको मिलकर रोकना होगा। ओझा ने घोषणा की कि विप्र फाउंडेशन इस वर्ष के अंत तक सभी जिलों में ई-लाइब्रेरी की स्थापना करेगा। उन्होंने ई लाइब्रेरी और छात्रावास के लिए जमीन की मांग की। उनकी इस मांग का असर यह हुआ कि बांसवाड़ा, सागवाड़ा के सभापतियों ने जमीन देने की हाथों हाथ मंच से घोषणा की।

विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम गुरुजी ने संस्कारोदय पर बल दिया। महाकुंभ की विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक एवम् मावली विधायक धर्म नारायण जोशी सहित अनेक वक्ताओं ने महाकुंभ को संबोधित किया। कई संत-महात्मा आशीर्वाद देने पहुंचे इनमे रामस्वरूप दास, रघुवरदास प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

महाकुंभ में पधारे प्रमुख राजनेताओं में गढ़ी विधायक कैलाश मीणा, आसपुर से विधायक गोपी लाल मीणा, पूर्व मंत्री भवानी जोशी, पूर्व विधायक रमेश पंडिया, बांसवाड़ा नगर परिषद के सभापति जिनेन्द्र त्रिवेदी, कांग्रेस नेता दिनेश खोड़निया, उदयपुर भाजपा के जिलाध्यक्ष रविन्द्र श्रीमाली, सागवाड़ा नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र खोड़निया, डूंगरपुर जिला प्रमुख खुड़िया आहारी, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री के ओएसडी शैलेश शर्मा, गलियाकोट प्रधान सहित अनेक गणमान्य जन मंचासीन थे।

विप्र महाकुंभ से पूर्व विप्र फाउंडेशन राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें शामिल प्रतिनिधियों ने महाकुंभ में भी शिरकत की इनमे संरक्षक राधेश्याम रंगा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस एन श्रीमाली, राधेश्याम सिखवाल, राष्ट्रीय महामंत्री सीए सुनील शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, राष्ट्रीय सचिव परमेश्वर शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री विष्णु पारीक, राष्ट्रीय सचिव प्रमोद पालीवाल, पंकज जोशी, महाराष्ट्र के अध्यक्ष सीए रामावतार शर्मा आदि मौजूद थे।

विप्र महाकुंभ में सागवाड़ा जैसी छोटी जगह पर ऐसा जन सैलाब उमड़ा कि आयोजकों की तैयारी भी कम पड़ गई। लोग बसों, कारों, टेंपो के अलावा दुपहिया वाहनों के काफिले और जुलूस के रूप में महाकुंभ में पहुंचे। जनता जनार्दन के आने का सिलसिला सुबह से प्रारंभ हो गया था जो महाकुंभ प्रारंभ होने के बाद भी देर तक चलता रहा। गलियाकोट रोड पर स्थित गायत्री शक्तिपीठ के पास कॉलेज ग्राउंड में हुए इस आयोजन के कारण आस पास का इलाका वाहनों की रेलम पेल से जाम हो गया। सागवाड़ा कस्बे में भी महाकुंभ में आने वाले वाहनों के कारण पूरा शहर थम सा गया। विप्र महाकुंभ में पुरुषों के साथ मातृ शक्ति की भी अच्छी खासी उपस्थिति थी। महिलाएं गांव गांव से मंगल गीत गाते हुए आईं।

कर्नाटक में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जद (एस) के लिए प्रचार करने के लिए सहमत हुई हैं। कुमारस्वामी द्वारा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लॉन्च में भाग लेने के बाद, यह घोषणा की गई कि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव भी, जिन्हें केसीआर के नाम से जाना जाता है, जद (एस) के लिए रैलियों को संबोधित करेंगे। अपने वोक्कालिगा-बहुल दक्षिण कर्नाटक गढ़ के साथ, जद (एस) कर्नाटक में मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है, जो क्षेत्र पहले हैदराबाद राज्य का हिस्सा था, और कित्तूर कर्नाटक जो मुंबई राज्य का हिस्सा था। कल्याण वाले चुनावी क्षेत्र कर्नाटक सीमावर्ती तेलंगाना में कई जिलों और वहां जे.डी. (एस) को उम्मीद है कि के.सी.आर. वहां पार्टी की मदद करेंगे। कुमारस्वामी ने हाल ही में कहा था, ''वे तेलुगू क्षेत्र में प्रचार करने में हमारी मदद करेंगे।''

जयपुर से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि पंतनगर एयरपोर्ट के विस्तारीकरण की कार्यवाही तेजी से चल रही है।

'क्या एक शहीद प्रधानमंत्री का बेटा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं कर रहे।

राजघाट के पास सत्याग्रह को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, इस देश का प्रधानमंत्री कायर है। मुझ पर केस करो, जेल भेजो। लेकिन सच तो यह है कि, इस देश का प्रधानमंत्री कायर है... अपनी सत्ता के पीछे छिपा है, अहंकारी है। इस देश की एक पुरानी परंपरा है, हिंदू धर्म की एक पुरानी परंपरा है... अहंकारी राजा को जनता जवाब देती है।

प्रियंका ने कहा कि, उनके भाई राहुल गांधी, जिन्हें शुक्रवार को लोकसभा सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, ने प्रधानमंत्री से केवल कुछ सवाल पूछे थे। उन्होंने कहा, ''आप जवाब नहीं दे सके, आप डर गए... वे लोग जो अहंकारी होते हैं, तानाशाह होते हैं और क्या करते हैं? जब वे सवालों का जवाब नहीं दे पाते हैं तो अपनी ताकत का इस्तेमाल कर लोगों को अपने अधीन करने की कोशिश करते हैं। वे सवाल उठाने वालों को कुचलने की कोशिश करते हैं।

क्या आपने इस बारे में कभी सोचा? आंखें खोलो, ये पूरी सरकार, मंत्री, सांसद... ये एक आदमी को बचाने की कोशिश क्यों कर रहे हैं? इस अडानी में ऐसा क्या है जो आप इसे पूरे देश की दौलत दे रहे हैं? कि उसका नाम लेते ही आप दंग रह जाते हैं...और उसे बचाने की होड़ मच जाती है।

गांधी परिवार पर वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने के भाजपा के आरोपों का जिक्र करते हुए प्रियंका ने कहा, तो फिर भगवान राम कौन थे? उन्हें वनवास भेज दिया गया था। इसके बावजूद उन्होंने अपने परिवार, अपनी धरती के प्रति अपना धर्म निभाया। क्या वे (राम) वंशवादी शासन को बढ़ावा दे रहे थे? क्या पांडव वंशवादी शासन को बढ़ावा दे रहे थे? वे अपने परिवार के मूल्यों के लिए लड़े।

इसरो का सबसे बड़ा रॉकेट मिशन सफल

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश), 26 मार्च (वार्ता)। इंडियन स्पेस एण्ड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने रविवार को शार रेंज से एक समर्पित दूसरे वाणिज्यिक प्रक्षेपण में एलवीएम-एम3 मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया, मिशन में ब्रिटेन वनवैब के सभी 36 उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में (एलईओ) में स्थापित किया गया।

एलवीएम-3 रॉकेट ने साढ़े 24 घंटे की उलटी गिनती के बाद शार प्रक्षेपण

- **ब्रिटेन के 36 सैटलाइट एक साथ लॉन्च किये।**

केंद्र के दूसरे नंबर के लांच पैड से सुबह नौ बजे निर्धारित समय पर उड़ान भरी और उपग्रहों को एलईओ कक्षा में स्थापित किया। 36 उपग्रहों का कुल वजन लगभग 5,805 किलोग्राम था। इसरो ने कहा कि, उड़ान के लगभग 20 मिनट बाद सभी 36 उपग्रहों को प्रक्षेपण यान से अलग किया गया और चरणबद्ध तरीके से 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया। इसरो ने कहा कि, वर्तमान मिशन, एलवीएम3-एम3, न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड द्वारा ब्रिटेन के लिए दूसरा समर्पित वाणिज्यिक उपग्रह मिशन है। इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ ने मिशन कंट्रोल सेंटर के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए इस सफल मिशन के लिए इसरो और वनवेब को बधाई दी।

'डिसक्वालिफाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठहराए जाने के खिलाफ राजघाट पर ''सत्याग्रह'' करने की अनुमति नहीं दी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस ने एक पत्र में कहा कि, कानून-व्यवस्था एवं यातायात संबंधी कारणों से इस अनुरोध को खारिज किया गया और राजघाट में एवं इसके आसपास दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है।

इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में रविवार को सभी राज्यों और जिला मुख्यालयों में महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने एकदिवसीय सत्याग्रह करने की घोषणा की थी।

केरल की वायनाड सीट से लोकसभा सदस्य राहुल गांधी को सूरत की एक अदालत द्वारा 2019 के मानहानि के एक मामले में दो साल जेल की सजा सुनाए जाने के मद्देनजर शुक्रवार को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहरा दिया गया। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उनका अयोग्यता संबंधी आदेश 23 मार्च से प्रभावी होगा।

'कांग्रेस सत्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरक्षण खत्म कर यह कोटा हिन्दू समाज के दो वर्गों में बांटने का फैसला किया है। राज्य में लिंगायत और वोक्कालिगा समाज का एक बहुत बड़ा प्रभुत्व है।

प्रदेश भाजपा सरकार ने इन दोनों समाजों को साधने के लिए यह बड़ा फैसला लिया है।

जाहिर है कि, इससे मुसलमान समुदाय नाराज होगा तो वहीं इससे सीधे तौर राज्य में प्रभुत्व रखने वाले लिंगायत और वोक्कालिगा लोग खुश होंगे।

राजस्थान भर से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदभार ग्रहण में होंगे शामिल:राजेन्द्र राठौड़

'संकल्प सत्याग्रह के नाम पर अडानी पर आरोप लगाने वाली राजस्थान सरकार ने अडानी पर जमकर कृपा बरसाई है'

जयपुर, 26 मार्च (का.सं.)। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में विधानसभा उप-नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने बताया कि न्यायालय द्वारा दो वर्ष की सजा के निर्णय से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सांसद सदस्यता रद्द हो जानें के विरोध में कांग्रेस द्वारा संकल्प सत्याग्रह का कार्यक्रम प्रदेश में पूर्णत: विफल साबित हुआ।

राठौड़ ने कहा कि, कांग्रेस नेता राहुल गांधी देश के उद्योग समूह अडानी को केन्द्र सरकार द्वारा गैर वाजिब रियायते देने का अपराधिक षडयंत्र के झूठे आरोप लगा रहे है वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत देश के प्रतिष्ठित उद्योग समूह अडानी को अपने कालखंड में इतनी रियायते, भूमि सहित अन्य आर्थिक सहयोग देने का कार्य किया है व अभी 75 हजार बीघा और भूमि देने का एम.ओ.यू भी किया है, इस पर अपना स्पष्टीकरण दे एवं श्वेत पत्र जारी करे।

राठौड़ ने प्रदेश में वर्तमान समय में राइट टू हेल्थ बिल को लेकर आंदोलन रत चिकित्सकों के प्रति एवं चिकित्सा व्यवस्था रूक जाने से जीवन का संकट झेल रहे मरीजो के प्रति सरकार का रवईया बेहद अंसवेदनशील और गैर जिम्मेदाराना है। सरकार को तुरंत प्रभाव से वार्ता के माध्यम से चिकित्सों की हडताल को खत्म करवाना चाहिए,

- **राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि, गहलोत सरकार श्वेत-पत्र जारी कर बताए कि, प्रदेश में अडानी को कहां-कहां रियायतें दी हैं।**

क्योकि अब यह मामला राष्ट्रव्यापी होता जा रहा है।निजी चिकित्सको के प्रति सरकार का यह रवैया सरकार की हठ धर्मिता को दर्शता है।मुख्य सचिव के नेतृत्व में गठित कमेटी में कि गई वार्ता के अलावा भी राइट टू हेल्थ बिल में कई ऐसे प्रावधान लाए गए जिनको लेकर चिकित्सक विरोध कर रहे है। सरकार को अपनी हठधर्मता छोडकर नए सिरे से जनमत के आधार पर चिकित्सकों एवं आम जनता के बीच चर्चा करवा कर राइट टू हेल्थ बिल पर निर्णय करना चाहिए। ना कि जनता को अधिकार देने के नाम पर चिकित्सकों एवं जीवन का संकट झेल रहे मरीजों के साथ खिलवाड करना चाहिए।

राठौड़ ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष निर्वतमान प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के कार्यकाल पर बोलते हुए कहा कि भाजपा संगठन आधारित पार्टी है,यहां कार्यकर्ता का महत्व माना जाता है 50 हजार फोटो युक्त बूथ समिति एवं सत्ता के विरूद्व कई आंदोलन सतीश पूनिया के नेतृत्व में हुए व अच्छा कार्यकाल रहा।

सोमवार को प्रदेश मुख्यालय पर होने वाले भाजपा राजस्थान के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के पदभार ग्रहण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सीपी जोशी दिल्ली आवास से प्रात: 7 बजे रवाना होंगे और 12:40 पर विधि विधान से पदभार ग्रहण करेंगे सडक मार्ग से जयपुर आ रहे प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का 8:30 बजे शाहजाह बार्डर पर स्वागत होगा इसके बाद बहरोड विराटनगर पावटा के कार्यकर्ता पावटा में,शाहपुरा में आमेर चोमू जमवाराम गढ के कार्यकर्ता आमेर कुंडा में हजारों की संख्या में भव्य स्वागत करेंगे, पिछले दो दिनों से भाजपा के हजारों कार्यकर्ता की टीम स्वागत कार्यक्रम की तैयारी में जुटी है जयपुर शहर में भी अनेकों स्थानों पर जयपुर शहर के कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किया जाएगा।

पदभार ग्रहण के बाद नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी का जयपुर मोती डूंगरी स्थित गणेश मंदिर एवं जयपुर अराध्यदेव गोविंद देव जी के दर्शन कार्यक्रम रहेगा।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908